बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 24 ● अंक: 16 ● नई दिल्ली ● बुधवार 22 अक्तूबर 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन
बी-2/370, सुल्तानपुरी
दिल्ली-86

दिगंबर जैन समाज ने भगवान महावीर का 2551 वां निर्वाण महोत्सव मनाया

मुरादाबाद, । प्राचीन दिगंबर जैन मंदिर लोहामंडी में भगवान महावीर का 2551 वां निर्वाण महोत्सव अत्यंत भक्ति भाव के साथ दिगम्बर जैन समाज द्वारा मनाया गया। मंगलवार को प्रातः काल 7 बजे भगवान श्रीजी का अभिषेक व शांतिधारा संपन्न हुई। अभिषेक एवं शांतिधारा का सौभाग्य पंकज जैन बारादरी एवं नरेंद्र जैन लाजपत नगर परिवार को प्राप्त हुआ। प्राचीन दिगंबर जैन मंदिर लोहामंडी में उपस्थित जैन समाज ने भगवान महावीर की पूजा संपन्न की।

भारतीय किसान यूनियन बाबा में नए पदाधिकारियों की घोषणा

हापुड़। भारतीय किसान यूनियन बाबा के राष्ट्रीय कार्यालय पर आज संगठन विस्तार एवं सदस्यता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान नली हुसैनपुर निवासी समाजसेवी नंदकिशोर शर्मा को उनके लंबे सामाजिक कार्य एवं संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए भारतीय किसान यूनियन बाबा के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा मंडल महामंत्री के पद पर नियुक्त किया गया। नंदकिशोर शर्मा ने अपनी नियुक्ति पर कहा कि – भारतीय किसान यूनियन बाबा किसानों की आवाज है। मैं तन-मन-धन से संगठन के साथ खड़ा रहूंगा और इसे नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का कार्य करूंगा। इसी क्रम में संगठन को और सशक्त करने के उद्देश्य से गुलफाम सैफी को युवा जिला मीडिया प्रभारी तथा नईमुद्दीन को जिला मीडिया प्रभारी के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई।

नई नियुक्तियों मोशीन उर्फ बब्लू भैया और जिला अध्यक्ष हापुड़ उमेश कुमार गौतम की उपस्थिति में की गईं। इस अवसर पर संगठन के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे जिन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अंत में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने जय जवान, जय किसान के नारों के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन का ज्ञापन, कहा - भुगतान और मुआवजा जल्द न मिला तो होगा बड़ा

गढ़मुक्तेश्वर। भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने तहसील गढ़मुक्तेश्वर में किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो संगठन को बड़े स्तर पर आंदोलन करने के लिए विवश होना पड़ेगा। किसानों ने कहा कि शुगर मिलों द्वारा गन्ना भुगतान अब तक नहीं किया गया है। बकाया राशि ब्याज सहित किसानों के खातों में शीघ्र भेजी जाए, क्योंकि भुगतान न होने से किसान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। किसानों ने बताया कि तहसील गढ़मुक्तेश्वर के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में फसलें पूरी तरह नष्ट हो चुकी हैं, लेकिन अब तक किसी भी किसान को मुआवजा नहीं मिला। इस विषय पर पहले भी तहसील दिवस में चर्चा की जा चुकी है और इसके लिए जिला स्तर पर एक समिति गठित की गई थी, जिसमें पांच किसानों को भी शामिल किया गया था, परंतु अब तक समिति में किसी भी प्रकार की बातचीत या कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि मुआवजा न मिलने से किसान आर्थिक तंगी में हैं। दूसरी ओर, आवारा पशुओं के कारण आए दिन सड़कों पर दुर्घटनाएं हो रही हैं और फसलें नष्ट हो रही हैं। किसानों ने प्रशासन से मांग की कि जल्द से जल्द आवारा पशुओं से राहत दिलाई जाए। इसके अलावा, किसानों ने विद्युत विभाग पर मनमानी का आरोप लगाया। कहा कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाए जाने के नाम पर किसानों के साथ धोखा किया जा रहा है। विभाग द्वारा अवैध वसूली, बिजली कटौती और कनेक्शन काटने की शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं।

कई स्थानों पर 30 वर्ष पुराने कनेक्शन होने के बावजूद लाइनें आज तक नहीं खींची गईं। किसानों ने मांग की कि सर्वे कराकर इन समस्याओं का समाधान किया जाए। ज्ञापन में गंगा किनारे हो रहे अवैध खनन, सड़कों पर ओवरलोडिंग, थानों में अवैध वसूली, दलालों की सक्रियता, सट्टा बाजार और अवैध शराब के कारोबार पर भी रोक लगाने की मांग की गई। किसानों ने कहा कि तहसीलों में खतौनी सुधार, विरासत दर्ज न होने और भ्रष्टाचार जैसी समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं। कई स्थानों पर किसानों से रिश्वत की मांग की जाती है। इन मामलों में सख्त कार्रवाई की जाए और सुधार के लिए जगह-जगह विशेष शिविर लगाए जाएं। इस अवसर पर मेरठ मंडल अध्यक्ष जीते चौहान, वरिष्ठ पदाधिकारी सेवाराम चौहान, संगठक राजकुमार, धर्मवीर सिंह, राहुल चौहान, विकास चौहान, टीटी त्यागी, नरेंद्रपाल सिंह, अमित, सुनील कुमार, बबली त्यागी, नितेश त्यागी, रामपाल, वीरेंद्र सिंह, योगेंद्र सिंह, प्रवेश, मनिराम, नागेंद्र सिंह, भागवत सिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कर्ज से परेशान युवक ने पेड़ से लटककर दी

बुलंदशहर: मृतक की शिनाख्त गौरव प्रजापति निवासी नगला उग्रसेन के रूप में हुई। सुबह खेतों की ओर गए ग्रामीणों ने पेड़ पर लटका देखा युवक का शव। सूचना मिलते ही थाना पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पंचनामा की कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मामला थाना बीबीनगर क्षेत्र के नगला उग्रसेन गांव का है।

बुलंदशहर के अनूपशहर में युवक ने पानी की टंकी से कूदकर की आत्महत्या

प्रेमिका की शादी कहीं और तय होने से परेशान बताया जा रहा है युवक। घटना से ठीक पहले का एक वीडियो भी आया सामने। लोगों के समझाने पर भी नीचे नहीं आ रहा था मौत को गले लगाने वाला युवक। बुलंदशहर के अनूपशहर कोतवाली क्षेत्र के गांव सिरौरा

गांव की घटना।

एएटीएस सेंट्रल की बड़ी दबिश – 22 मोबाइल समेत दो स्नैचर गिरफ्तार

नई दिल्ली । डीसीपी सेंट्रल जिला श्री निधिन वलसन के निर्देशन एवं एसीपी ऑपरेशन सुश्री खुलेखा जगरवाल के मार्गदर्शन में एएटीएस सेंट्रल की टीम को बड़ी सफलता मिली है, टीम ने झपटमारी की वारदातों में शामिल दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 22 चोरी/झपटमारी के मोबाइल फोन और एक केटीएम 390 मोटरसाइकिल बरामद की है, जिसका इस्तेमाल अपराधों में किया जाता था। इनमें से एक आरोपी पर 70 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज पाए गए हैं, दिनांक 15 अक्टूबर 2025 को थाना आईपी एस्टेट क्षेत्र में झपटमारी की वारदात की सूचना प्राप्त हुई थी।

शिकायतकर्ता ने बताया कि वह अपने मित्र के साथ मोटरसाइकिल पर चांदनी चौक से गुड़गांव जा रहा था। जैसे ही वे सलीमगढ़ फ्लाईओवर के पास पहुँचे, दो युवक बिना नंबर प्लेट वाली केटीएम बाइक पर आए और उसका मोबाइल फोन झपटकर फरार हो गए। इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच एएटीएस सेंट्रल जिला को सौंपी गई,घटना की संगीरता को देखते हुए इंस्पेक्टर रघुवीर के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई, जिसमें एसआई सुरेन्द्र, एएसआई वीरेंद्र, एचसी राजवीर, एचसी हजारी, कॉन्स्टेबल ललित और महेन्दर शामिल थे,टीम ने तकनीकी और मैनुअल दोनों स्तरों पर जांच करते हुए विभिन्न क्षेत्रों – आईपी एस्टेट, कमला मार्केट, पहाड़गंज, सदर बाजार आदि के सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण किया,16 अक्टूबर को गुप्त सूचना मिली कि झपटमारी की वारदात में शामिल एक आरोपी चोरी के मोबाइल बेचने करोलबाग आने वाला है इस सूचना पर माता सुंदरी कॉलेज रोड के पास जाल बिछाया गया, आरोपी ने पुलिस को देखकर भागने की कोशिश की, लेकिन पीछा कर उसे पकड़ लिया गया,पूछताछ में मुख्य आरोपी समीर उर्फ कमरान उर्फ अर्जुन ने बताया कि वह जनवरी 2025 में जेल से छूटा था और फिर से आपराधिक गतिविधियों।

बिजनौर में रबी अभियान 2025-2026 अनुदानित बीजों का वितरण प्रारंभ: जसवीर

बिजनौर । रबी अभियान वर्ष 2025-2026 प्रारम्भ हो चुका है। इस अभियान के तहत रबी फसलों जैसे सरसों, तौरिया, चना, मटर, मसूर एवं गेहूं आदि फसलों के गुणवत्तायुक्त बीज जनपद के विकासखण्डों में स्थित राजकीय कृषि निवेश भण्डारों में उपलब्ध कराने की कार्यवाही विभाग द्वारा प्रारम्भ कर दी गई है।इन बीजों की बिक्री राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित अनुदान पर कृषकों को कराई जाएगी। जिला कृषि अधिकारी जसवीर सिंह तेवतिया ने उक्त जानकारी देते हुए जनपद के समस्त कृषक भाइयों से अनुरोध किया है कि जिन कृषकों का पंजीकरण नहीं है, वे विभाग के पोर्टल पर पंजीकरण कराकर अनुदानित बीजों को प्राप्त कर लाभान्वित हो सकते हैं। पंजीकृत कृषक भी इन बीजों को प्राप्त कर सकते हैं।रबी अभियान वर्ष 2025-2026 के अंतर्गत विभाग में उपलब्ध होने वाले बीजों की विक्रय दर, देय अनुदान और कृषक अंश का विवरण निम्नलिखित है: 1. गेहूं: प्रमाणित बीजः विक्रय दर 4680.00 प्रति क्विंटल है। 10 वर्ष से कम आयु की प्रजातियों पर उपलब्ध अनुदान 2340.00 है, जिससे कृषक अंश 2340.00 होता है। वहीं, 10 वर्ष से अधिक आयु की प्रजातियों पर अनुदान 1300.00 है, जिससे कृषक अंश 3380.00 होगा।आधारीय बीजः विक्रय दर 4872.00 प्रति क्विंटल है। 10 वर्ष से कम आयु की प्रजातियों पर उपलब्ध अनुदान 2436.00 है, जिससे कृषक अंश 2436.00 होता है। वहीं, 10 वर्ष से अधिक आयु की प्रजातियों पर अनुदान 1300.00 है, जिससे कृषक अंश 3572.00 होगा। 2. चनाः प्रमाणित बीजः विक्रय दर 10320.00 प्रति क्विंटल है। 10 वर्ष से कम आयु की प्रजातियों पर उपलब्ध अनुदान 5160.00 है, जिससे कृषक अंश 5160.00 होता है। वहीं, 10 वर्ष से अधिक आयु की प्रजातियों पर अनुदान 3500.00 है, जिससे कृषक अंश 6820.00 होगा।आधारीय बीजः विक्रय दर 10803.00 प्रति क्विंटल है। 10 वर्ष से कम आयु की प्रजातियों पर उपलब्ध अनुदान 5401.00 है, जिससे कृषक अंश 5402.00 होता है। वहीं, 10 वर्ष से अधिक आयु की प्रजातियों पर अनुदान 3500.00 है, जिससे कृषक अंश 7303.00 होगा। 3. मटरः प्रमाणित बीजः विक्रय दर 7093.00 प्रति क्विंटल है। 10 वर्ष से कम आयु की प्रजातियों पर

उपलब्ध अनुदान 3546.00 है, जिससे कृषक अंश 3547.00 होता है। वहीं, 10 वर्ष से अधिक आयु की प्रजातियों पर अनुदान 3500.00 है, जिससे कृषक अंश 3593.00 होगा।आधारीय बीजः विक्रय दर 7418.00 प्रति क्विंटल है। 10 वर्ष से कम आयु की प्रजातियों पर उपलब्ध अनुदान 3709.00 है, जिससे कृषक अंश 3709.00 होता है। वहीं, 10 वर्ष से अधिक आयु की प्रजातियों पर अनुदान 3500.00 है, जिससे कृषक अंश 3918.00 होगा। 4.मसूरः प्रमाणित बीजः विक्रय दर 11050.00 प्रति क्विंटल है। 10 वर्ष से कम आयु की प्रजातियों पर उपलब्ध अनुदान 5525.00 है, जिससे कृषक अंश 5525.00 होता है। वहीं, 10 वर्ष से अधिक आयु की प्रजातियों पर अनुदान 3500.00 है, जिससे कृषक अंश 7550.00 होगा।आधारीय बीजः विक्रय दर 11587.00 प्रति क्विंटल है। 10 वर्ष से कम आयु की प्रजातियों पर उपलब्ध अनुदान 5793.00 है, जिससे कृषक अंश 5794.00 होता है। वहीं, 10 वर्ष से अधिक आयु की प्रजातियों पर अनुदान 3500.00 है, जिससे कृषक अंश 8087.00 होगा।तिलहनी फसलें (15 वर्ष तक की सभी प्रजातियों पर):1. तौरियाः प्रमाणित बीजः विक्रय दर 10847.00 प्रति क्विंटल है। उपलब्ध अनुदान 5423.00 है, जिससे कृषक अंश 5424.00 होता है।आधारीय बीजः विक्रय दर 11147.00 प्रति क्विंटल है। उपलब्ध अनुदान 5500.00 है, जिससे कृषक अंश 5647.00 होता है।2. राई/सरसोंः प्रमाणित बीजः विक्रय दर 10847.00 प्रति क्विंटल है। उपलब्ध अनुदान 5423.00 है, जिससे कृषक अंश 5424.00 होता है।

आधारीय बीजः विक्रय दर 11174.00 प्रति क्विंटल है। उपलब्ध अनुदान 5500.00 है, जिससे कृषक अंश 5674.00 होता है।3. अलसीः प्रमाणित बीजः विक्रय दर 10712.00 प्रति क्विंटल है। उपलब्ध अनुदान 5356.00 है, जिससे कृषक अंश 5356.00 होता है।

18 माह के मासूम की हत्या कर शव संदूक में दबाया गया

बुलंदशहर। कल शाम को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुआ था डेढ़ वर्षीय मासूम माधव। मासूम की हत्याकर, परिजनों के साथ बच्चे की तलाश में जुटा था हत्यारा। पुलिस द्वारा शक के आधार पर आरोपी के घर की तलाशी लेने पर हुआ खुलासा। संदूक में रजाई के नीचे से बरामद हुआ मासूम का शव। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा, आरोपी गिरफ्तार। बुलंदशहर के थाना नरसेना क्षेत्र के गांव नित्यानंदपुर नंगली में हुई वारदात।

सोनू शर्मा के तीन हत्यारोपी मुठभेड़ के बाद हुए गिरफ्तार

बुलंदशहर । मुठभेड़ में हत्यारोपी हरिकिशन और उसके भाई सुभाष के पैर में लगी गोली। तीसरे हत्यारोपी सिंकू को पुलिस ने घेराबंदी कर किया गिरफ्तार। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने कार, दो तमंचे, कारतूस आदि किए बरामद। 11 अक्टूबर को रुपयों के लेनदेन के विवाद में गोली मारकर की गई थी सोनू की हत्या। बुलंदशहर के चोला थाना क्षेत्र में वाहन चैकिंग के दौरान हुई पुलिस की मुठभेड़।

उ0प्र0 राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजनान्तर्गत जनपद के समस्त बैंक शाखा प्रबन्धकों की एक दिवसीय बैंकर्स उन्मुखीकरण कार्यशाला का

बुलंदशहर । जिला पंचायत सभागार, बुलंदशहर में किया गया, जिसका शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी, निशा की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें सूबेदार सिंह उपायुक्त (स्वतःरोजगार), धीरज कुमार झा (अग्रणी जिला प्रबन्धक), आशीष कुमार डी० डी०एम० नाबार्ड, अनिल कुमार सिंह, परियोजना निदेशक एवं रमेश कुमार अरोड़ा (प्रशिक्षक एन0आई0आर0डी0, समस्त बैंको के जिला समन्वयक तथा शाखा प्रबन्धक, समस्त जिला मिशन प्रबन्धक, समस्त सहायक विकास अधिकारी (आई0एस0वी0), समस्त ब्लॉक मिशन प्रबंधक तथा बैंक सखियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम का संचालन मनीष कुमार जैन, जिला मिशन प्रबन्धक द्वारा किया गया। उपायुक्त (स्वतः रोजगार) द्वारा योजना की जानकारी प्रदान की गई एन0आर0एल0एम0 योजना के माध्यम से बैंकर्स स्वयं सहायता समूहों को अवश्यकतानुसार आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें, समस्त पात्र

समूहों के खाते खुलवाने तथा बैंक क्रेडिट लिंकिज कराये जाने पर जोर दिया गया। अग्रणी जिला प्रबन्धक पंजाब नेशनल बैंक द्वारा उपस्थिति समस्त शाखा प्रबन्धकों को लक्ष्य के अनुरूप खाता खोलने, बैंक क्रेडिट लिंकिज, समूह सदस्यों को व्यक्तिगत लोन करने पर जोर दिया गया तथा आशीष कुमार (डीडीएम नाबार्ड) द्वारा समस्त शाखा प्रबन्धकों को आर०बी0आई० गाइड लाइन के अनुसार समूहों के कार्य प्राथमिकता से करने हेतु तथा लक्ष्य के सापेक्ष पूर्ति करने हेतु आह्वान किया।

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान हैदराबाद के नैशनल रिसोर्स पर्सन रमेश कुमार अरोड़ा द्वारा उपस्थिति समस्त प्रतिभागियों को रिर्जव बैंक ऑफ इण्डिया के द्वारा जारी निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी गई तथा स्वयं सहायता समूहों की आर्थिक आवश्यकताओं को देखते हुये उन्हें वित्तीय सहावता प्रदान करने हेतु प्रेरित किया। समूहों के खाता खोलने, सी.सी..एल. करने आवश्यक दस्तावेजों पर जानकारी प्रदान की गई, सी0बी0आर0एम0 कमेटी गठित करने तथा उद्देश्य की जानकारी दी गई।

इन्टरप्राइज फाईनेन्स, डिजिटल फाईनेन्स तथा वित्त साक्षरता सखी के लाभ तथा उनके कार्यों की जानकारी प्रदान की गई। एन0आर0एल0एम0 स्टॉफ एवं शाखा प्रबन्धकों से संवाद करते हुये समस्याओं का निराकरण किया गया। अन्त में उपायुक्त (स्वतःरोजगार) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन करते हुये कार्यशाला का समापन किया गया।

नॉर्मल गैस या साइलेंट हार्ट अटैक कब अपच हो सकती है खतरे की घंटी: डॉ हृदयेश कुमार

बिजनौर। अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट द्वारा स्वास्थ्य पर विशेष जागरूक अभियान के तहत चर्चा डॉ हृदयेश कुमार ने बताया कि आजकल दिल की बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, युवाओं में भी हार्ट अटैक के मामले सामने आ रहे हैं। डॉ. हृदयेश कुमार ने बताया कि सीने में दर्द को गैस समझकर अनदेखा नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह हार्ट अटैक का संकेत हो सकता है। पेट में भारीपन, डकार आना या पेट फूलना जैसे लक्षण साइलेंट हार्ट अटैक के लक्षण हो सकते हैं, खासकर बुजुर्ग महिलाओं में। समय पर जांच कराकर जान बचाई जा सकती है।

सीने में दर्द को न करें अनदेखागैस समझकर टालना हो सकता है खतरनाक बेचैनी भी है साइलेंट हार्ट अटैक का लक्षण ,इन दिनों दिल से जुड़ी समस्याओं के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। आजकल लोगों लाइफ स्टाइल काफी ज्यादा बदल चुकी है और इसलिए सेहत से जुड़ी समस्याएं आजकल लोगों को अपना शिकार बनाने लगी हैं। हार्ट की समस्या

पिछले कुछ समय से चिंता का विषय बनकर सामने आई है। पहले बुजुर्गों में होने वाली यह बीमारी अब युवाओं और बच्चों तक को अपना शिकार बना रही है। हार्ट अटैक दिल से जुड़ी बीमारियों में सबसे आम और खतरनाक है। बात जब भी इसके लक्षणों की होती है, तो सीने में दर्द इसका पहला और सबसे प्रमुख लक्षण माना जाता है। हालांकि, कई बार लोग इसे सिर्फ ब्लोटिंग, गैस या अपच मानकर अनदेखा कर देते हैं, लेकिन कई बार यह पाचन से जुड़ी समस्याएं नहीं, बल्कि हार्ट की समस्या की शुरुआत हो सकती है। ऐसे में लोगों को इसके बारे में बताया कि आम लगने वाले इन लक्षणों को नजरअंदाज क्यों नहीं करना चाहिए और तुरन्त ही अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए क

हार्ट अटैक और गैस में अंतर कैसे करें, इस बारे में बहुत कम लोग ही जानते हैं। डॉक्टर बताते हैं कि भारत में गैस एक आम समस्या है और इसलिए अक्सर लोग हार्ट अटैक और गैस में अंतर नहीं कर पाते हैं। लोग अक्सर पेट फूला हुआ यानी ब्लोटिंग महसूस करते हैं और बिना सीने में दर्द के, मान लेते हैं कि यह सिर्फ गैस है। हालांकि, ये लक्षण दिल के दौरे जैसे भी हो सकते हैं। इग्नोर न करें पेट में भारीपन उन्होंने आगे कहा कि यह जरूरी है कि ऐसे लक्षणों को नजरअंदाज न किया जाए। अगर आपको ये लक्षण लगातार महसूस हो रहे हैं, तो आपको तुरंत किसी हार्ट स्पेशिएलिस्ट से मिलना चाहिए। अक्सर सीने में भारीपन, डकार आना या पेट फूलना जैसे लक्षण, खासकर साइलेंट हार्ट अटैक का संकेत हो सकते हैं। खासकर बुजुर्ग महिलाओं या लंबे समय से हाई थीपी से पीड़ित महिलाओं में यह ज्यादा आम है।

सम्पादकीय...

दरिद्रता और समृद्धि

दरिद्रता और समृद्धि ये दोनों शब्द सदा मां लक्ष्मी से जुड़े रहे हैं। जहाँ लक्ष्मी का वास होता है, वहाँ दरिद्रता का अस्तित्व नहीं टिक सकता। भारतीय संस्कृति में दीपावली का पर्व धार्मिक अनुष्ठान होने के साथ ही सामाजिक, आर्थिक और आध्यात्मिक प्रकाश का उत्सव है। इस दिन भारत के हर कोने में दीपक जलते हैं, जो यह प्रतीक बनते हैं कि अंधकार कितना भी गहरा हो, प्रकाश अंततः विजय पाता है। परंतु वही दीपोत्सव जब भारत के केंद्रीय विद्यालयों तक पहुँचता है, तो उस प्रकाश के स्थान पर एक अजीब-सी प्रशासनिक दरिद्रता दिखाई देती है। देशभर में जहाँ दीपावली पाँच दिनों तक उल्लासपूर्वक मनाई जाती है, वहीं केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) में इसका अवकाश मात्र एक दिन तक सीमित है। यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि जब दीपावली भारत के हर घर, बाजार और संस्थान में उत्सव का कारण बनती है, तब शिक्षा मंत्रालय की यह उदासीनता क्यों? क्या यह तर्कसंगत है कि बच्चे और शिक्षक रातभर पूजा-पाठ, रिश्तेदारों के आगमन और उत्सव की थकान के बाद अगले दिन प्रातः विद्यालय में उपस्थित हों? नियम बनानेवाले ये कैसे भूल सकते हैं कि शिक्षा व्यवस्था केवल परीक्षा और पाठ्यक्रम का ढांचा नहीं होती, वह तो समाज की धड़कन से जुड़ी व्यवस्था है। जब वही व्यवस्था अपने विद्यार्थियों और शिक्षकों की सांस्कृतिक संवेदनाओं से कट जाए, तब शिक्षा मानव निर्माण के बजाय यांत्रिक प्रक्रिया बन जाती है।

दीपावली का प्रभाव केवल धार्मिक नहीं, आर्थिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। दीपावली सीजन में भारत में उपभोक्ता व्यय ₹ पांच लाख करोड़ तक पहुँचता है, जिससे करीब 32 लाख करोड़ की जीडीपी सक्रियता उत्पन्न होती है। ई-कॉमर्स, खुदरा, परिवहन और पर्यटन क्षेत्र में इस दौरान 25-30 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज होती है। अर्थात जब घर-घर में दीप जलते हैं, तब बाजार और रोजगार दोनों चमक उठते हैं। ऐसे में यह आश्चर्यजनक है कि देश की अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा पर्व, जिसे विश्व अब Festival of Prosperity" कहने लगा है, उसी देश के केंद्रीय विद्यालयों के लिए साधारण दिन जैसा बना हुआ है? कहना होगा कि ये केंद्रीय विद्यालयों का एक-दिनीय अवकाश केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं, वस्तुतः उस मानसिकता का प्रतीक है जो शिक्षा और संस्कृति को दो विपरीत दिशाओं में देखती है। जब विद्यालय संस्कृति से कट जाते हैं, तो शिक्षा का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। शिक्षा विशेषज्ञ भी इस बात को मानते हैं कि तीन से पाँच दिन का दीपावली अवकाश छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, परिवारिक जुड़ाव और सांस्कृतिक चेतना के लिए आवश्यक है। अध्ययन बताते हैं कि विश्राम और पारिवारिक समय बिताने के बाद छात्र अधिक केंद्रित, सृजनशील और ऊर्जावान होकर लौटते हैं। इसीलिए अवकाश को पढ़ाई का नुकसान नहीं, बल्कि शिक्षा में निवेश कहा गया है।

यहाँ सबसे बड़ा प्रश्न केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से जुड़ा है। यदि वे भी भारतीय संस्कृति के तत्वों और ऊर्जा केंद्रों का ध्यान नहीं रखेंगे तो उम्मीद किससे की जाएगी? क्योंकि उनका जीवन तो छात्र शक्ति से राष्ट्र शक्ति तक का सतत प्रवाह है। एक ऐसा संगठन जिसने हमेशा भारतीय संस्कृति और शिक्षा के समन्वय का पक्ष लिया है। अभाविप का मूल विचार ही रहा है कि भारतीय शिक्षा भारतीयता के भाव से परिपूर्ण हो। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् में रहकर भारत के लिए जीने का व्रत उन्होंने लिया, तभी तो वे आज मोदी सरकार में अहम जिम्मेदारी पर हैं, यदि वे ही अपनी संस्कृति के लिए सजग नहीं रहेंगे तब सवाल यह है कि फिर इस बात के लिए कहां गुहार लगाई जाए? धर्मेंद्र प्रधान ने अपने राजनीतिक जीवन में कई बार कहा है कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं होनी चाहिए; उसे भारत की सांस्कृतिक आत्मा से जुड़ा होना चाहिए। केंद्रीय विद्यालय में दीपोत्सव के अवसर पर कम से कम तीन से पांच दिवस का निरंतरता में अवकाश रखा जाना चाहिए। दीपावली केवल घरों में प्रकाश नहीं फैलाती, बल्कि मन, समाज और राष्ट्र की चेतना को भी आलोकित करती है। इस पर्व का उत्सव बच्चों के भीतर वह संस्कार जगाता है जो उन्हें परिश्रमी, कृतज्ञ और संयमी बनाता है। यदि शिक्षा मंत्रालय इसे मात्र एक दिन का औपचारिक अवकाश मानकर चलता रहेगा, तो आने वाली पीढ़ियाँ उस सांस्कृतिक शिक्षा से वंचित रह जाएँगी, जो किसी पाठ्य-पुस्तक में नहीं मिलती।

भाई दूज 2025- स्नेह, सौहार्द और प्रीति का अंतिम दीप

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भाई दूज, यह पर्व न केवल दीपावली के पांच दिवसीय महोत्सव का समापन करता है, बल्कि पारिवारिक संबंधों में निहित स्नेह, प्रेम और सुरक्षा की भावना का दिव्य उदाहरण भी प्रस्तुत करता है। जहां धनतेरस से दीपावली की शुरूआत होती है, वहीं भाई दूज उस श्रृंखला का भावनात्मक चरम है, जब बहन अपने भाई की दीर्घायु और समृद्धि की मंगल कामना करती है। 21अक्टूबर 2025, मंगलवार को मनाया जाने वाला यह पर्व केवल भारतीय समाज तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आज यह विश्वभर में प्रवासी भारतीयों के बीच पारिवारिक एकता, आत्मीयता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बन चुका है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं, कि भारतीय संस्कृति में भाई-बहन के संबंध को सबसे पवित्र और आत्मीय रिश्ता माना गया है। रक्षाबंधन और भाई दूज, दोनों पर्व इस रिश्ते की गरिमा को दर्शाते हैं, किंतु दोनों में एक सूक्ष्म अंतर है।रक्षाबंधन पर बहन अपने भाई को रक्षा सूत्र बांधकर उसकी रक्षा की कामना करती है और भाई वचन देता है कि वह अपनी बहन की हर परिस्थिति में रक्षा करेगा। इस दिन भाई अपनी बहन को अपने घर बुलाता है।वहीं भाई दूज पर परंपरा उलट जाती है, बहन अपने भाई को अपने घर आमंत्रित करती है, उसका स्वागत करती है, तिलक लगाती है, भोजन कराती है और उसकी लंबी उम्र व समृद्धि की मंगलकामना करती है। यह भूमिका का परिवर्तन इस बात का प्रतीक है कि रिश्तों की गरिमा एकतरफा नहीं, बल्कि परस्पर है। जैसे भाई बहन की रक्षा करता है, वैसे ही बहन भी अपने स्नेह और शुभकामनाओं से भाई के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और संतुलन भरती है।भारत के विविध प्रांतों में तथा वैश्विक स्तरपर भाई दूज को अलग-अलग नामों और रीति- रिवाजों से मनाया जाता है।उत्तर भारत में इसे "भाई दूज" कहा जाता है, जहां बहनें अपने भाई को तिलक लगाकर भोजन कराती हैं। महाराष्ट्र और गोवा में इसे "भाऊबीज" कहा जाता है, जहां बहनें आरती कर भाई को पान, सुपारी और मिठाई देती हैं।बंगाल में इसे "भाई फोटा" कहा जाता है, और यहां बहनें अपने भाइयों को चंदन का तिलक लगाती हैं तथा विशेष मंत्र का उच्चारण करती हैं नेपाल में इसे "भाई टीका" कहा जाता है, जो वहां का राष्ट्रीय त्योहार है और पाँच दिन तक चलने वाले तिहार उत्सव का हिस्सा है।21वीं सदी में जब दुनियाँ तकनीकी रूप से जुड़ रही है लेकिन भावनात्मक रूप से दूर हो रही है, तब भाई दूज जैसे पर्व वैश्विक समाज को यह सिखाते हैं कि मानवता की सबसे बड़ी शक्ति रिश्ते हैं अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर और खाड़ी देशों में बसे प्रवासी भारतीय आज इस पर्व को धूमधाम से मनाते हैं। वहां की भूमि पर यह केवल भारतीयता का प्रतीक नहीं बल्कि संस्कृति के अंतरराष्ट्रीय संवाद का माध्यम बन चुका है।भाई दूज आज विश्व समुदाय को यह संदेश देता है कि सच्चे संबंध स्वार्थ से नहीं, बल्कि आत्मीयता से बनते हैं। यह पर्व वैश्वीकरण की दौड़ में पारिवारिक मूल्यों के संरक्षण का जीवंत उदाहरण है।सभी परंपराओं में भाव एक ही है, भाई की सुरक्षा और बहन के स्नेह का सम्मान। यही विविधता भारतीय संस्कृति की एकता में अनेकता का सबसे चूँकि भाई दूज 2025-दीपावली रूपी माला का पांचवा और अंतिम चमकता मोती, स्नेह, सौहार्द और प्रीति का अंतिम दीप हैं, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से व इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगेभाई दूज 2025-भारतीय संस्कृति में भाई-बहन के प्रेम और कर्तव्य का वैश्विक प्रतीक हैं।

साथियों बात अगर हम, भाई दूज के सामाजिक और पारिवारिक आयाम को समझने की करें तो, आधुनिक समाज में जहां परिवार छोटे होते जा रहे हैं और रिश्तों में दूरी बढ़ रही है, वहां भाई दूज जैसे पर्व सामाजिक एकता और पारिवारिक पुनर्संयोजन का अवसर प्रदान करते हैं। इस दिन बहनें अपने मायके जाती हैं, पुराने संबंधों को फिर से जीवित करती हैं और भावनात्मक संवाद का सेतु बनाती हैं।भाई दूज का पर्व हमें यह सिखाता है कि परिवार केवल रक्त संबंध नहीं, बल्कि भावनाओं की बुनावट है। जिस घर में यह पर्व मनाया जाता है, वहां स्नेह, आस्था और संवाद का वातावरण स्वतः निर्मित हो जाता है।यह पर्व विशेष रूप से महिलाओं के सम्मान और उनकी भूमिका की पहचान का भी अवसर है। बहन को "सद्भावना की वाहक" और "आशीर्वाद की प्रदात्री" के रूप में देखा जाता है, जो अपने भाई के लिए प्रेम का दीप जलाती है। साथियों बात अगर हम भाई दूज 2025 आध्यात्मिकता, परंपरा और आधुनिकता का संगम को समझने की करें तो, भाई दूज 2025 के आगमन के साथ दीपावली की श्रृंखला पूर्ण होती है, लेकिन उसके साथ ही यह पर्व एक नवीन आरंभ का प्रतीक भी है। यह दिन केवल भाई और बहन के मिलन का नहीं, बल्कि परिवार, समाज और संस्कृति के पुनर्संयोजन का भी अवसर है।आधुनिक समाज में जहां रिश्ते डिजिटल माध्यमों तक सीमित हो रहे हैं, वहां भाई दूज हमें सिखाता है कि स्पर्श, स्नेह और साथ का कोई विकल्प नहीं।जब बहन तिलक लगाती है, तब वह केवल प्रतीकात्मक क्रिया नहीं कर रही होती, बल्कि वह भाई के जीवन में संरक्षण, आशीर्वाद और शुभता का संचार कर रही होती है। यही उस प्रेम की शक्ति है जो न समय, न दूरी और न मृत्यु से बंधी होती है। साथियों बात अगर हम, भाई दूज का वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक पहलू को समझने की करें तो, भारतीय त्यौहार केवल धार्मिक न होकर वैज्ञानिक और मनो वैज्ञानिक दृष्टि से भी गहरे अर्थ रखते हैं। भाई दूज का पर्व दीपावली के बाद आता है, जब वातावरण में ठंड का आगमन होता है, खेतों में नई फसलें आने लगती हैं और परिवार एक साथ समय बिताते हैं। यह मौसम सामाजिक एकत्रीकरण और मानसिक नवजीवन के लिए उपयुक्त होता है।भाई दूज पर तिलक लगाने की परंपरा का भी वैज्ञानिक आधार है। चंदन, कुमकुम और अक्षत का प्रयोग मस्तक के उस भाग (अज्ञा चक्र) पर किया जाता है जो मन की शांति और सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र है। इस तिलक से शरीरमें ऊर्जा संतुलित होती है और भावनात्मक जुड़ाव का अनुभव गहरा होता है।इसके अतिरिक्त, भाई-बहन का मिलन और आत्मीय संवाद सामाजिक मानसिक स्वास्थ्य को भी सुदृढ़ करता है। यह पर्व परिवार में संवाद, संवेदना और समर्थन की भावना को प्रबल तथा सटीक बनाता है।

साथियों बात अगर हम भाई दूज का पौराणिक आध्यात्मिक आधार व नारी सशक्तिकरण के संदेश को समझने की करें तो भाई दूज का मूल आधार यमराज और उनकी भगिनी यमुना की पौराणिक कथा से जुड़ा हुआ है। कहा जाता है कि यमराज, जो मृत्यु के देवता हैं, एक बार लंबे समय बाद अपनी बहन यमुना के घर पहुंचे। यमुना ने अपने भाई का आदरपूर्वक स्वागत किया, तिलक लगाया, आरती उतारी और उन्हें स्वादिष्ट भोजनकराया। यमराज बहन की इस आत्मीयता से अत्यंत प्रसन्न हुएऔर वरदान दिया कि जो भी इस दिन अपनी बहन के घर जाकर तिलक ग्रहण करेगा और स्नेहपूर्वक भोजन करेगा, उसे यमलोक का भय नहीं रहेगा।इस कथा में न केवल धार्मिक भावार्थ निहित है, बल्कि यह मानवीय संबंधों की अमरता, आत्मीयता और परस्पर श्रद्धा की झलक भी देता है। यमराज जो मृत्यु के प्रतीक माने जाते हैं, उनके द्वारा बहन के स्नेह से जीवन और दीर्घायु का वरदान मिलना यह सिखाता है कि प्रेम ही वह शक्ति है जो मृत्यु और भय पर भी विजय पा सकती है।भाई दूज केवल भाइयों का नहीं, बल्कि बहनों की गरिमा और शक्ति का भी उत्सव है। यह पर्व इस बात का प्रतीक है कि नारी केवल रक्षा की पात्र नहीं, बल्कि रक्षा की प्रदात्री भी है।यमराज की बहन यमुना ने अपने स्नेह से मृत्यु के देवता को भी जीवन का वरदान देने को प्रेरित किया। यह कथा इस विचार को पुष्ट करती है कि स्त्री का प्रेम और आशीर्वाद अमृत समान है, जो जीवन में ऊर्जा, उत्साह और उद्देश्य भर देता है।आधुनिक युग में जब नारी समाज में आत्मनिर्भरता और नेतृत्व की दिशा में अग्रसर है, तब भाई दूज उस सांस्कृतिक विरासत का स्मरण कराता है जो बहन को परिवार के केंद्र में रखती है, एक ऐसी शक्ति के रूप में जो सृजन, संतुलन और प्रेम का स्रोत है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भाई दूज का वैश्विक संदेशयह हैं कि, भाई दूज केवल भारतीय पर्व नहीं, बल्कि मानवता का उत्सव है। यह हमें याद दिलाता है कि इस संसार में सबसे अमूल्य धरोहर हमारे रिश्ते हैं, जो न किसी धर्म, जाति या भौगोलिक सीमा में बंधे हैं।भाई दूज का संदेश है, "जहां स्नेह है, वहां जीवन है; जहां संबंध हैं, वहां स्थायित्व है "दीपावली रूपी माला का यह अंतिम दीप न केवल घरों में उजाला करता है, बल्कि मनुष्य के हृदय में प्रेम, कृतज्ञता और बंधुत्व का आलोक फैलाता है।2025 का भाई दूज इस युग की उस पुकार का उत्तर है, जो रिश्तों के पुनर्जागरण की ओर अग्रसर है, एक ऐसा समाज जहां प्रेम, संवाद, सहयोग और संवेदना सबसे बड़ा धर्म हो।

सहदेई थाना क्षेत्र से अपहृत परमिंद्र पासवान को पुलिस ने किया बरामद

महनार वैशाली। जिला के सहदेई थाना में दर्ज अपहरण कांड का पुलिस ने मात्र 24 घंटे के अंदर सफल उद्भेदन करते हुए छह आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है तथा अपहृत को सकुशल बरामद कर लिया गया है। यह जानकारी महनार एसडीपीओ प्रवीण कुमार ने आज मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी। एसडीपीओ प्रवीण कुमार ने मीडिया को बताया की 19 अक्टूबर को सहदेई थाना क्षेत्र निवासी समुंदरी देवी ने अपने पति परमिंद्र पासवान का अगवा की शिकायत थाना में दर्ज करायी थी। शिकायत के साथ एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें अपहरण कर्ता पैसे की मांग करते हुए

परमिंद्र पासवान को पिस्टल के बट से मारपीट करते नजर आ रहे थे।प्राथमिकी दर्ज होते ही पुलिस अधीक्षक वैशाली ललीत मोहन शर्मा की हिदायत के पर विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी व मानवीय अनुसंधान के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सारण जिले के मढ़ौरा थाना क्षेत्र में छापेमारी कर मुख्य आरोपी प्रमोद कुमार के घर से अपहृत परमिंद्र पासवान को सकुशल बरामद किया गया।घटना में शामिल शैलेन्द्र कुमार उर्फ कालू, रंजन कुमार, मिथिलेश कुमार, सूरज कुमार और प्रेम कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है। वहीं, एक अन्य आरोपी धनंजय कुमार अब भी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। एसडीपीओ ने बताया कि अपहरणकर्ताओं ने पीड़ित परिवार से पहले तीन लाख , बाद में दस लाख रुपये की फिरौती की मांग की थी। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

बिधूना पुलिस व प्रशासन की पटाखों, यातायात सुरक्षा पर सख्त निगरानी

औरैया। दीपावली त्यौहार पर शांति एवं सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस व प्रशासन हाई एलर्ट पर नजर आ रहा है। पुलिस व प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी अवैध पटाखों के गोरखधंधे पर शिकंजा कसने और सड़कों पर यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए पूरी तरह चौकसी बरतते नजर आ रहे हैं वहीं फायर ब्रिगेड भी सक्रिय होने के साथ किसी आकस्मिक दुर्घटना होने पर अस्पतालों में भी चिकित्सा व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखने के लिए भी प्रशासन अलर्ट है। आलम यह है कि उप जिलाधिकारी गरिमा सोनकिया, सीओ बिधूना पी पुनीत मिश्रा, कोतवाल बिधूना मुकेश बाबू चौहान, निरीक्षक अपराध अनिल त्रिपाठी, उपनिरीक्षक मेवालाल, उपनिरीक्षक विनोद कुमार सचान, उप निरीक्षक सुहेल खान, उपनिरीक्षक सुचर सिंह, उप निरीक्षक अतर सिंह, उपनिरीक्षक गंगासागर, उपनिरीक्षक जेडी सिंह यादव, रहुल सिंह विजयपाल सिंह आदि पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा लगातार बिधूना नगर के साथ ही रुरुगंज आसपास के संबंध गांवों में शांति एवं सुरक्षा के दृष्टिगत लगातार पैदल गस्त ही नहीं किया जा रहा है। बल्कि त्यौहार के दृष्टिगत बाजारों में सड़कों पर बढ़ी भीड़ में यातायात व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहे इसके लिए भी पुलिस प्राण प्रण से सड़कों पर चौकन्ना नजर आ रही है।

संभावित त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के समय जिले में बड़े राजनीतिक हलचल के मिल रहे संकेत

औरैया। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के समय मनमाफिक सीट पर टिकट न मिलने पर औरैया जिले में सत्तापक्ष व विपक्ष के कुछ तथाकथित सियासतदारों के पाला बदलने की अभी से ही प्रबल संभावना बनती नजर आ रही है। जनचर्चा तो आम यह भी है कि जिला पंचायत अध्यक्ष व ब्लाक प्रमुख पद पर काबिज होने की मंशा बनाए कुछ तथाकथित सियासतदारों के अपनी अपनी पार्टी में मौजूदा समय में अपनी भागीदारी बनाए रहने के बावजूद भी वह त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव व 2027 के विधानसभा चुनाव में मनमाफिक सीट पर टिकट न मिलने पर चुनाव के ऐन वक्त पर टिकट की शर्त पर पाला बदलने के लिए अभी से मन बनाए हुए दूसरे दलों के पार्टी के उच्च नेताओं से गोपनीय तौर पर संपर्क भी कर चुके हैं और वह लगातार संपर्क बनाए रखने के लिए भी खूब चर्चाओं में है। मौजूदा समय में जमीनी धरातल पर देखने में आ रहा है कि औरैया जिले के सातों विकास खंडों औरैया, अजीतमल, बिधूना, भाग्यनगर, सहार, में ब्लॉक प्रमुख के पदों पर काबिज होने व उपरोक्त विकास खंडों के जिला पंचायत सदस्य पद के क्षेत्रों में प्रत्याशी बनकर और जीतने पर जिला पंचायत अध्यक्ष पद हासिल करने के लिए सत्ता पक्ष के साथ विपक्षी दलों के तमाम तथाकथित सियासतदार अपनी अपनी पार्टी में अपनी टिकट पक्की कराने की जुगतें भिड़ाने एवं ऐन वक्त पर मंशा पूरी न होने पर उनके पाला बदल कर दूसरे दल का दामन थामने की भी संभावना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। हालांकि इस बार अभी तक यह तय नहीं है कि औरैया जिले के जिला पंचायत अध्यक्ष पद किस वर्ग के लिए आरक्षित होगा किंतु इसके बावजूद खासकर क्षत्रिय समाज के कुछ तथाकथित सत्तापक्ष व विपक्ष के कुछ तथाकथित सियासतदार जिला पंचायत अध्यक्ष पद को इस बार अनारक्षित होने की संभावना से अध्यक्ष पद पर कबिज होने की अभी से अपनी अपनी गोटे बिछाते नजर आ रहे हैं। हालांकि ऐसा नहीं है कि जो जिले के सियासतदार खासकर जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर काबिज होने का सपना संजोए है उनके मामले में जनता को उनकी कार्यशैली गतिविधियों की पहले से ही पूरी परख है ऐसे में यह तथाकथित कुछ सियासतदार आम जनता को गुमराह करने की चाहे जितनी चालें चलें लेकिन भाई यह जनता है सब जानती है और ऐसे में ऐसे इन तथाकथित सियासतदारों के चुनाव में मंसूबे पूरे हो सकेंगे यह फिलहाल लोहे के चने चबाने जैसा प्रतीत होता है। जिले की जनता इस बार काफी सोच समझकर अपने जनप्रतिनिधि के चुनाव करने के प्रति अडिग नजर आ रही।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार शास्त्री ने कदम ऑफसेट प्रिंटर्स, ए-9, साउथ पौंचशीला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार शास्त्री, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2019/[illegible])

कृत्रिम बारिश से प्रदूषण पर नियंत्रण का दिल्ली सरकार का वादा खोखला साबित हुआ: भारद्वाज

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर आम आदमी पार्टी (आआपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने दीपावली के बाद कृत्रिम बारिश करवाने का जो वादा किया था, वह खोखला साबित हुआ। भारद्वाज ने मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सरकार ने दावा था कि दीपावली के बाद कृत्रिम बारिश कराकर प्रदूषण पर नियंत्रण किया जाएगा, लेकिन आज तक कोई बारिश नहीं हुई। उन्होंने सवाल किया कि अगर सरकार के पास यह तकनीक और योजना थी, तो उसे लागू क्यों नहीं किया गया? उन्होंने कहा कि प्रदूषण की

वजह से दिल्ली के लोग सांस लेने में कठिनाई झेल रहे हैं, बच्चे और बुजुर्ग बीमार पड़ रहे हैं, फिर भी सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। भारद्वाज ने आरोप लगाया कि सरकार की लापरवाही यह दिखाती है कि उसे जनता के स्वास्थ्य की परवाह नहीं है। उन्होंने कहा कि क्या सरकार चाहती है कि लोग बीमार हों ताकि निजी अस्पतालों को इसका लाभ मिले? उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता अब सिर्फ वादों से नहीं, बल्कि ठोस नतीजों की उम्मीद करती है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण के मुद्दे पर राजनीति छोड़कर सभी दलों को मिलकर काम करना चाहिए, क्योंकि यह केवल एक राजनीतिक नहीं बल्कि स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ा मुद्दा है।

दीपावली पर पटाखों की हुई बंपर बिक्री, सजावटी सामान और लाइटों की भी मांग बढ़ी

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में इस साल पटाखों की बंपर बिक्री हुई है और ज्यादातर दुकानदारों के स्टॉक दीपावली से पहले खत्म हो गए थे, जिससे लोगों को गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद और सोनीपत तक जाना पड़ा।

चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) के चेयरमैन बृजेश गोयल के अनुसार, इस त्योहारी सीजन में पटाखों की मांग में काफी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, रदीपावली से एक दिन पहले ही, ज्यादातर व्यापारियों का स्टॉक खत्म हो गया था। कई लोगों को पटाखे खरीदने के लिए गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद, गाजियाबाद और सोनीपत जाना पड़ा।

साथ ही उन्होंने कहा कि दिल्ली में कुल पटाखों की बिक्री लगभग 500 करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है। सदर बाजार एसोसिएशन के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने बताया कि व्यापारियों ने पिछले साल की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत अधिक बिक्री दर्ज की और पटाखों के साथ-साथ सजावटी सामान और लाइटों की भी मांग में इजाफा दर्ज किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने 15 अक्टूबर के अपने आदेश में, दिल्ली-एनसीआर में दीपावली से एक दिन पहले और दीपावली के दिन सुबह 6 बजे से 7 बजे के बीच और रात 8 बजे से 10 बजे के बीच ग्रीन पटाखों की बिक्री और फोड़ने की अनुमति दी थी। जिसके चलते दिल्ली में 18 से 21 अक्टूबर के बीच ग्रीन पटाखों की बिक्री की अनुमति दी गई थी। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुसार, नवरात्री से लेकर दीपावली तक चलने वाले फेस्टिव सीजन में गुड्स की बिक्री रिकॉर्ड 5.40 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान करीब 65,000 करोड़ रुपए की सर्विसेज भी ग्राहकों की ओर से खरीदी गई हैं। यह आंकड़ा पिछले साल नवरात्रि से दीपावली की अवधि में हुई 4.25 लाख करोड़ रुपए की फेस्टिव सेल्स की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है।

दिवाली के बाद एक्यूआई में मामूली बढ़ोतरी, आआपा गुमराह कर रही : सिरसा

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिवाली के बाद राजधानी के वायु गुणवत्ता सूचकांक में बढ़ोतरी से जुड़े आरोपों पर सफाई दी है। सिरसा ने कहा कि राजधानी की वायु गुणवत्ता पहले से ही खराब थी और दिवाली के बाद इसमें मामूली बढ़ोतरी हुई है।

उन्होंने आज आम आदमी पार्टी (आआपा) पर गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि एक तबके को खुश करने के लिए हिन्दुओं की आस्था पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। सिरसा ने मंगलवार को दिल्ली सचिवालय में पत्रकार वार्ता के दौरान कृत्रिम वर्षा कराए जाने के मुद्दे पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि बादल होने की स्थिति में ऐसा किया जाएगा। उन्होंने कहा, क्लाउड सीडिंग, पहले बादल आते हैं और फिर सीडिंग होती है। सीडिंग तभी हो सकती है जब बादल हों। जिस दिन बादल होंगे, हम सीडिंग करवाएंगे और बारिश भी होगी। सिरसा ने कहा कि दिल्ली में दिवाली के दौरान पटाखे चलाने की अनुमति मिलने पर एक्यूआई केवल 11 पॉइंट बढ़ा है। इसके लिए दिवाली को जिम्मेदार ठहराना सही नहीं है। दीपावली सभी सनातन और हिंदुओं की आस्था का विषय है। उन्होंने कहा कि दिवाली भाजपा

का त्योहार नहीं है। भाजपा अध्यक्ष और भाजपा के मुख्यमंत्री को कोसा जा रहा है जबकि यह एक सनातन हिंदू त्योहार है। उन्होंने कहा, मैं आपको बता दूं कि जो लोग इसके लिए दिवाली को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, वह सरासर झूठ है। यह सिर्फ एक वर्ग को खुश करने के लिए किया जा रहा है। औरंगजेब और अकबर के प्रशंसक ऐसा कह रहे हैं। जिन्होंने विधानसभा में टीपू सुल्तान की तस्वीर लगाई थी, वे ऐसा कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2020 में दिवाली में पटाखे जलाए जा रहे थे। उस समय दिवाली से पहले पीएम 2.5 का स्तर 414 और दिवाली के बाद 435 था। पटाखों में 21 अंकों की वृद्धि हुई। वर्ष 2021 में 80 अंकों की वृद्धि हुई।

वर्ष 2024 में पटाखों पर प्रतिबंध होने पर दिवाली से पहले एक्यूआई 328 और दिवाली के बाद 360 था। पटाखों पर प्रतिबंध लगने पर भी 32 अंक बढ़ गए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश और दिल्ली सरकार के अनुरोध पर हमें ग्रीन पटाखों की अनुमति मिली। दिवाली से पहले एक्यूआई 345 था और दिवाली के बाद एक्यूआई 356 हो गया।

दीवाली की रात पटाखों को लेकर हुई कहासुनी में युवक की चाकू घोंपकर हत्या, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, (हि.स.)। बाहरी उत्तरी जिले के शाहबाद डेयरी इलाके में सोमवार रात हुए एक युवक की हत्या के मामले को पुलिस ने महज एक घंटे भीतर सुलझा लिया। पुलिस ने उक्त मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि एक आरोपित अभी फरार है। जिसकी तलाश में पुलिस जगह-जगह दबिश दे रही है। बाहरी उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी ने मंगलवार को बताया कि बीती रात करीब 12:22 बजे पुलिस को सूचना मिली कि शाहबाद डेयरी इलाके में एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई है। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो मकान संख्या ए-372 के बाहर गली में एक युवक खून से लथपथ पड़ा मिला। जिसके सीने के दाहिनी ओर चाकू का घाव था। जांच में मृतक की पहचान दिलीप के रूप में हुई। जांच पता चला कि दिलीप के भाइयों दीपक और संदीप की इलाके के कुछ युवकों से पटाखे फोड़ते समय कहासुनी हो गई थी। उसी विवाद के चलते करीब एक घंटे बाद आरोपितों ने दिलीप और उसके भाइयों पर हमला कर दिया। हमले में दिलीप को चाकू मार दिया गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दीपक की शिकायत पर हत्या का केस दर्ज किया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार पुलिस टीम ने मौके के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी निगरानी के आधार पर आरोपितों की तलाश शुरू की। लगातार की गई छापेमारी में तीन आरोपितों को पकड़ लिया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान धीरज (24), आकाश उर्फ बाबा (24) और तरुण (22) के रूप में हुई है। पुलिस का कहना है कि मामले में चौथा आरोपित अजय उर्फ अली फरार है। उसकी तलाश में कई जगहों पर छापेमारी की जा रही है।

दिल्ली में पटाखों की तय समय सीमा टूटी

नई दिल्ली, (हि.स.)। दीवाली के मौके पर सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन की धज्जियां उड़ाते हुए राजधानी दिल्ली में बड़े पैमाने पर लोगों ने तय समय सीमा से बाहर पटाखे जलाए। दिल्ली पुलिस ने देर रात तक कार्रवाई करते हुए 150 से अधिक लोगों के खिलाफ केस दर्ज किए हैं। वहीं, अवैध रूप से पटाखे बेचने के 50 से अधिक मामले भी दर्ज किए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे के बीच पटाखे फोड़ने की अनुमति केवल 19 और 20 अक्टूबर को दी थी। लेकिन सोमवार रात शहर के कई इलाकों में लोग देर रात तक पटाखे फोड़ते रहे। द्वारका जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिले में 24 केस पटाखे तय समय से बाहर जलाने पर दर्ज किए गए हैं। रोहिणी जिले में भी 24 ऐसे मामले सामने आए। जबकि तीन केस अवैध बिक्री के दर्ज हुए। बाहरी उत्तरी जिले में आठ केस समय सीमा उल्लंघन के और एक अवैध बिक्री का क दर्ज किया गया।

संपत्ति विवाद में दादा को पोतों ने मारी गोली

नई दिल्ली, (हि.स.)। मध्य जिले के पुरानी दिल्ली के तुर्कमान गेट इलाके में सोमवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब एक बुजुर्ग को उनके ही पोतों ने गोली मार दी। बताया जा रहा है कि गोलीकांड के पीछे पारिवारिक संपत्ति को लेकर चल रहा विवाद कारण बना। घायल बुजुर्ग को एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार 72 वर्षीय शाहबुद्दीन का अपने बेटे और पोतों के साथ लंबे समय से मकान को लेकर विवाद चल रहा था। मंगलवार सुबह इसी विवाद को लेकर कहासुनी बढ़ी और गुस्से में आए पोतों ने दादा पर फायरिंग कर दी। गोली लगते ही शाहबुद्दीन लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। घटना की सूचना मिलते ही चांदनी महल थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल एलएनजेपी अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि शाहबुद्दीन की हालत स्थिर है। चांदनी महल थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस फरार आरोपितों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है।

एनडीएमसी ने वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए उठाए व्यापक कदम

नई दिल्ली, (हि.स.)। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने मंगलवार को दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के व्यापक और प्रभावी उपाय शुरू करने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एनडीएमसी की टीमें और मशीनें चौबीसों घंटे युद्धस्तर पर काम कर रही हैं। चहल ने मंगलवार को अपने कार्यालय में पत्रकार वार्ता में प्रदूषण से निपटने की कार्ययोजना साझा करते हुए बताया कि सुबह 5:30 बजे दिल्ली-एनसीआर का औसत एक्यूआई 346 दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में है और अधिकांश क्षेत्र रेड जोन में हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एनडीएमसी ने धूल नियंत्रण, स्मॉग कमी, हरियाली बढ़ाने और जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए एक व्यापक प्रदूषण नियंत्रण अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण को कम करने के लिए एनडीएमसी ने कई पहल की है। मैकेनिकल रोड स्वीपिंग, 5 नई सीएनजी आधारित रोड स्वीपिंग मशीनें खरीदी जा रही हैं ताकि मुख्य सड़कों और गलियों की सफाई और बेहतर ढंग से हो सके। एंटी-स्मॉग गन की तैनाती, मिस्ट स्प्रे सिस्टम की स्थापना, फुटपाथ की धुलाई, पेड़ों की धुलाई, हरियाली एवं पौधारोपण और विशेष स्वच्छता अभियान चला कर दिल्ली में प्रदूषण स्तर को कम किया जा सकता है। उपाध्यक्ष ने बताया कि आने वाले वर्ष में एनडीएमसी सभी 22 बाजारों में फुटपाथ की धुलाई व्यवस्था लागू करेगा, ताकि एनडीएमसी क्षेत्र में धूल प्रदूषण को न्यूनतम किया जा सके। एनडीएमसी अपने स्वच्छता अभियान के तहत रोजाना सड़कों, फुटपाथों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई और धुलाई करता है ताकि धूल और हवा में मौजूद प्रदूषक कणों को हटाया जा सके।

चहल ने कहा कि हर दिन लाखों लोग काम और पर्यटन के लिए नई दिल्ली आते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों और आगंतुकों से अपील की कि वे व्यक्तिगत स्तर पर प्रदूषण कम करने में सहयोग करें। प्रकृति अकेले प्रदूषण नहीं रोक सकती। यह सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है कि पर्यावरण के अनुकूल आदतें अपनाएं और अपने शहर को स्वच्छ और हरा-भरा बनाए रखें।

दिल्ली-एनसीआर में दिवाली के बाद एक्यूआई में हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली,(हि.स.)। दिल्ली-एनसीआर में दिवाली के बाद मंगलवार सुबह राजधानी और आसपास के इलाकों में धुंध छाई और वायु गुणवत्ता सूचकांक में बढ़ोतरी देखने को मिली । केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार मंगलवार सुबह दिल्ली के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 500 से अधिक दर्ज किया गया। इस स्तर पर लोगों को सांस लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। आनंद विहार में एक्यूआई 358, आईटीओ में 347, लोधी रोड में 329 और इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के

आसपास 313 रहा। यह 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। दिल्ली सरकार में पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आज अपने एक्स पोस्ट में एक्यूआई में काफी कम बढ़ोत्तरी होने की बात कही। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 2023 में दिवाली के दिन एक्यूआई 218 था, जो अगले दिन 301 तक पहुंचा यानी 83 अंकों की बढ़ोतरी। वहीं, 2024 में पटाखा बैन के बावजूद एक्यूआई 328 से 360 तक पहुंचा, यानी 32 अंकों की वृद्धि। इस साल, जब पटाखों पर कोई प्रतिबंध नहीं था, एक्यूआई 345 से बढ़कर 356 तक पहुंचा, यानी सिर्फ 11 अंकों की बढ़ोतरी। सिरसा ने सवाल उठाया कि पिछले दस सालों में ऑड-ईवन और पटाखा बैन जैसे कदम उठाने वाली सरकार प्रदूषण नियंत्रित नहीं कर पाई, केवल दिल्लीवासियों की आस्था पर सवाल उठाती रही।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि सुबह 5 बजे आनंद विहार में एक्यूआई 943 और शहदरा में 390 दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि प्रदूषण के लिए केवल पटाखे ही जिम्मेदार नहीं, बल्कि दिल्ली की जनता और पड़ोसी राज्य भी बराबर जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि अगर जनता चाहती तो प्रदूषण पर नियंत्रण संभव था।

तुगलकाबाद का पोस्ट ऑफिस बनेगा आधुनिक : बिधूड़ी

केंद्रीय संचार मंत्री श्री सिंधिया के प्रति जताया आभार

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के ऐतिहासिक गांव तुगलकाबाद में स्थित पोस्ट ऑफिस का अपग्रेडेशन और विस्तार करके उसे आधुनिक बनाने का फैसला किया गया है। सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने इसके लिए केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्या सिंधिया के प्रति आभार व्यक्त किया है। बिधूड़ी ने बताया तुगलाकाबाद का छोटा-सा पोस्ट ऑफिस बरसों पहले खुला था और उसमें ज्यादातर सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। इसके लिए लोगों काफी दूर जाना पड़ता था। इसलिए वे इस पोस्ट ऑफिस के

जीर्णोद्धार की मांग कर रहे थे। बिधूड़ी ने इस बारे में केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्या सिंधिया से अनुरोध किया था। अब श्री सिंधिया ने एक पत्र लिखकर बिधूड़ी को बताया है कि उनके अनुरोध के बाद इस मांग पर विचार किया गया और यह पाया गया कि लोगों की मांग न्यायोचित है और यह पोस्ट ऑफिस विस्तार की बाकी शर्तें भी पूरी करता है। बिधूड़ी ने इसके लिए श्री सिंधिया के प्रति आभार जताते हुए कहा है कि लोगों को अब पोस्ट ऑफिस में खाते खोलने और पेंशन जैसी सुविधाएं भी मिलने लगेंगी और उम्मीद है कि आधुनिक पोस्ट ऑफिस जल्दी ही काम करना शुरू कर देगा।

कलाकारों ने बताई दिवाली की दिल से जुड़ी यादें और

मुंबई। दिवाली, रौशनी और खुशियों का त्योहार है तथा पूरे देश में उमंग और प्यार का माहौल लेकर आता है। यह वह समय होता है, जब घर दीयों से जगमगाते हैं, मिठाइयों की खुशबू से गलियां महक उठती हैं और परिवार एक साथ मिलकर खुशी मनाते हैं। इस मौके पर एण्डटीवी के कलाकारों ने बताया कि उनके लिए दिवाली क्यों इतनी खास है और वे इसे कैसे मनाते हैं। इन कलाकारों में शामिल हैं- पारस अरोड़ा (घरवाली-पेड़वाली की जीतू), योगेश त्रिपाठी (हप्पू की उलटन पलटनह्ना को दरोगा हप्पू सिंह) और शुभांगी अत्रे (भाबीजी घर पर हैं की अंगूरी भाबी)। पारस अरोड़ा, जोकि घरवाली-पेड़वाली में जीतू का किरदार निभाते नजर आएंगे, ने कहा, दिवाली मेरा सबसे पसंदीदा त्योहार है क्योंकि यह सबको एक साथ जोड़ता है। अपने होमटाउन में हम दिन की शुरूआत परिवार के साथ पूजा से करते हैं और घर को गेंदे के फूलों से सजाते हैं। मां के साथ मिलकर रंगोली बनाना और घर में बनी मिठाइयों की खुशबू, यह सब दिवाली को और भी खास बना देता है। एक परंपरा जो हम कभी नहीं छोड़ते और वह है बालकनी और छत पर दीए जलाना। जब पूरा मोहल्ला रोशनी से चमक उठता है, तो वो नजारा जादुई लगता है। इस साल मैं शूटिंग में व्यस्त रहूंगा, इसलिए अपनी घरवाली-पेड़वाली फैमिली के साथ सेट पर ही दिवाली मनाने की तैयारी है, जो हंसी, रोशनी और अपनेपन से भरी होगी।

योगेश त्रिपाठी ऊर्फ हप्पू की उलटन पलटनह्ना के दरोगा हप्पू सिंह कहते हैं, मेरे लिए दिवाली बचपन की यादों को फिर से जीने जैसा है। मैं उत्तर प्रदेश में पला-बढ़ा हूं, जहां हम हफ्तों पहले से तैयारी शुरू कर देते थे- घर की सफाई करना, दीयों को रंगना और मां के साथ मिलकर गुजिया बनाना। आज भी मैं वही परंपराएं निभाता हूं। घर के हर कोने में खुद दीये जलाता हूं और बच्चों के साथ लक्ष्मी-गणेश की पूजा करता हूं। पूजा के बाद सब मिलकर घर की बनी मिठाइयां खाते हैं और कुछ इको-फ्रेंडली पटाखे फोड़ते हैं। दिवाली मेरे लिए रोशनी, परिवार और आभार जताने का त्योहार है। शुभांगी अत्रे, जो भाबीजी घर पर हैं। में अंगूरी भाबी का किरदार निभा रही हैं, ने कहा, दिवाली मेरे दिल के बहुत करीब है। मेरा मानना है कि ये सिर्फ घर सजाने का नहीं, बल्कि अपने मन को भी रोशनी और सकारात्मकता से भरने का त्योहार है। हर साल मैं अपने होमटाऊन इंदौर जाती हूं और परिवार के साथ दिवाली मनाती हूं।

नवी मुंबई में आग लगने की घटनाओं में 6 लोगों को

मुंबई, (हि.स.)। मुंबई से सटे नवी मुंबई शहर में दो अलग-अलग स्थानों पर मंगलवार तड़के अचानक आग लगने से 6 लोगों की मौत हो गई और 13 लोग बुरी तरह झुलस गए। सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस दोनों घटनाओं में आग लगने के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। फायर ब्रिगेड अधिकारी के अनुसार आज तड़के नवी मुंबई की रहेजा रेजिडेंसी हाउसिंग सोसाइटी में अचानक आग लगने से 4 लोगों की मौत हो गई और 10 लोग झुलस गए। मृतकों में छह साल की बच्ची भी है। आग में मरने वालों की पहचान वेदिका सुंदर बालकृष्णन (6), कमला हीरल जैन (84), सुंदर बालकृष्णन (44) और पूजा राजन (39) के रूप में हुई है। यहां लगी आग 10वीं, 11वीं और 12वीं मंजिल तक फैल गई थी, जिसपर फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी कोशिशों के बाद काबू पाया। इसी तरह नवी मुंबई में मंगलवार को सुबह सेक्टर 36 स्थित अंबे श्रद्धा कोऑपरेटिव सोसाइटी में स्थित एक घर में अचानक आग लगने से दो लोगों की मौत हो गई और तीन लोग झुलस गए। फायर ब्रिगेड की टीम ने दोनों शवों को घर के बेडरूम से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दिल्ली में दिवाली की रात आग लगने के 400 से ज्यादा

नई दिल्ली। दिल्ली में दिवाली के दौरान बड़ी संख्या में आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं. दिवाली पर सोमवार, 20 अक्टूबर को रात 12.00 बजे तक आग लगने की कुल 269 कॉल फायर डिपार्टमेंट के पास आई थीं. यह आंकड़ा अगले 6 घंटे में 400 पार कर गया. यानी मंगलवार, 21 अक्तूबर की सुबह 6.00 बजे तक मदद मांगने के लिए अग्निशमन विभाग के पास लगभग 400 फोन आए हैं. दिल्ली के सभी अग्निशमन केंद्रों पर रात भर दमकलकर्मी तैनात रहे. फायर डिपार्टमेंट की ओर से बताया गया कि सभी कॉल्स पर तुरंत कार्रवाई की गई है. इससे पहले सोमवार रात 11:30 बजे तक हादसों का आंकड़ा 170 के करीब था, जिसमें ज्यादातर आग पटाखों से लगी थी. उधर नरेला इंडस्ट्रियल इलाके में एक जूता फैक्ट्री और कार्ड फैक्ट्री में भीषण आग लग गई. दोनों जगह 30 से ज्यादा दमकल गाड़ियों ने आग पर काबू पाया. कहीं भी जनहानि की सूचना नहीं है. नुकसान का आंकलन मंगलवार सुबह तक होने का अनुमान है. दमकल अधिकारियों के मुताबिक ज्यादातरफायर कॉल आवासीय इलाकों से थीं, जहां पटाखों के कारण हल्का या मध्यम नुकसान हुआ है. फायर टीमें लगातार सक्रिय हैं. हर कॉल अटेंड करने की कोशिश है. फायर ऑफिसर एसके दुआ ने बताया कि दिल्ली फायर सर्विस को भोरगढ़ इंडस्ट्रियल एरिया फेज 2, नरेला में कार्डबोर्ड फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली. 26 फायर टेंडर मौके पर तैनात हैं. आग को नियंत्रित कर लिया गया है. इसके अलावा एक जूते की फैक्ट्री में भी आग की सूचना है. आग बुझाने के लिए 16 फायर टेंडर भेजे गए. आग पर काबू कर लिया किया गया. शुरूआती जांच में शार्ट सर्किट से आग लगने का कारण बताया गया है। दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक सोमवार देर रात तक कॉल्स को अटेंड करने के लिए टीमें तत्पर रहीं. लोगों को जागरुक किया

पंजाब में आतंकी हमले की साजिश नाकाम, रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड के साथ दो गिरफ्तार

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब पुलिस ने अमृतसर में बड़ी अपराधिक वारदात की योजना को विफल बनाते हुए दो युवकों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे में एक रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) बरामद किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने मंगलवार को बताया कि केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर खुफिया कार्रवाई में दो संदिग्ध आतंकियों महकदीप सिंह उर्फ महक और आदित्य उर्फ आधी को अमृतसर से गिरफ्तार किया गया है।

डीजीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि ये दोनों पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के एक ऑपरेटिव के संपर्क में थे, जिसने इन्हें यह खतरनाक हथियार मुहैया कराया था। इसके अलावा इनका संपर्क फिरोजपुर जेल में बंद हरप्रीत सिंह उर्फ विक्की से भी था। पुलिस के अनुसार पाकिस्तानी हैंडलरों के इशारे पर बरामद आरपीजी का इस्तेमाल

मप्र के इंदौर के गौतमपुरा में हुआ हिंगोट युद्ध, पांच योद्धा

इंदौर, (हि.स.)। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के गौतमपुरा में दीपावली के दूसरे दिन धोक पड़वा पर वर्षों से चली आ रही परंपरा के मुताबिक हिंगोट युद्ध हुआ। इस दौरान गौतमपुरा और रूणजी के वीर योद्धा तुर्रा और कलंगी ने दलों में बंटकर करीब डेढ़ घंटे तक एक-दूसरे पर अग्नि बाणों की वर्षा की। इसमें पांच योद्धा घायल हो गए। इस बार हिंगोट युद्ध आधे घंटे पहले ही खत्म हो गया। इस बार गौतमपुरा में तुर्रा और रूणजी के वीर योद्धा तुर्रा और कलंगी दल के बीच करीब डेढ़ घंटे तक हिंगोट युद्ध चला। देपालपुर एसडीएम राकेश मोहन त्रिपाठी ने बताया कि युद्ध में पांच योद्धा घायल हुए हैं। हालांकि सभी की हालत ठीक बतायी गई है। इनमें से कोई भी गंभीर नहीं है। नवरात्रि से युद्ध की तैयारी में लग जाते हैं योद्धा नवरात्र से ही योद्धा युद्ध की तैयारी में लग जाते हैं। वे बड़नगर, इंगोरिया, चंबल और आसपास के क्षेत्रों के जंगल से

हिंगोरिया वृक्ष के फल लाते हैं। इसे सुखाकर अंदर का गूदा निकाल दिया जाता है और खोखला बनाया जाता है, फिर उसमें बारूद भरा जाता है, एक सिरे पर मिट्टी से मुंह बंद कर बत्ती लगाई जाती है। दिशा निर्धारण के लिए बांस की पतली डंडी बांधी जाती है। बुजुर्गों के अनुसार, परंपरा मुगलों के आक्रमण से बचाव के लिए शुरू हुई थी। चंबल घाटियों से मुगल सैनिक हमला करते, तो नगरवासी हिंगोट चलाकर उन्हें घोड़े से गिरा देते थे। इस तरह से यह तरीका आत्मरक्षा का प्रतीक बन गया। बाद में यह परंपरा धार्मिक और सामाजिक स्वरूप में बदल गई। युद्ध की शुरूआत भगवान देवनारायण के दर्शन के बाद की जाती है। तुर्रा दल के पूर्व योद्धा गोपाल खत्री का कहना है कि अब युवा स्वयं हिंगोट बनाने के बजाय दूसरों पर निर्भर हो गए हैं। अब हिंगोट बनाना महंगा हो गया है। पहले जहां एक हिंगोट 8 से 10 रुपये में बन जाता था, वहीं अब इसकी लागत 18 से 20 रुपये तक पहुंच चुकी है। वहीं अब नई पीढ़ी हिंगोट बनाने के लिए मेहनत नहीं करती है। हिंगोट तैयार करने की 21 चरणों की विधि है। वहीं, तुर्रा योद्धा राज वर्मा ने बताया कि हिंगोरिया पेड़ों की कटाई के कारण अब फल आसानी से नहीं मिलते। योद्धाओं को इन्हें लाने के लिए बड़नगर, उज्जैन, बदनावर और धार जैसे दूरस्थ क्षेत्रों तक जाना पड़ता है। इससे इस बार हिंगोट सीमित मात्रा में तैयार हो रहे हैं। पहले आसपास के जंगल में इन पेड़ों की भरमार थी। इन पेड़ों को नहीं बचाया गया तो यह परंपरा निभाना भी मुश्किल हो जाएगा।

गौरतलब है कि दीपावली के दूसरे दिन धोक पड़वा पर आयोजित होने वाला हिंगोट युद्ध (अग्निबाण युद्ध) खतरनाक किंतु रोमांचक स्वरूप के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। यह युद्ध शाम पांच बजे से शुरू होकर करीब सात बजे तक चलता है। गौतमपुरा और रूणजी के दो दल तुर्रा और कलंगी अग्निबाणों से एक-दूसरे पर वार करते हैं। यह जानलेवा युद्ध नहीं है, बल्कि साहस, परंपरा और लोक आस्था का प्रतीक है। इसमें हार-जीत नहीं, बल्कि शौर्य और परंपरा का प्रदर्शन मायने रखता है।

अगले पांच साल में एक करोड़ युवाओं को देंगे रोजगार: नीतीश कुमार

पटना/मुजफ्फरपुर, (हि.स.)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को विधानसभा चुनाव अभियान की औपचारिक शुरूआत मुजफ्फरपुर जिले के मीनापुर और कांटी से की। इस मौके पर आयोजित जनसभा को सम्बोधित करते हुए उन्होंने अगले पांच वर्षों में राज्य के एक करोड़ युवाओं को रोजगार और नौकरी के अवसर मुहैया कराने का वादा किया। मुजफ्फरपुर जिले के मीनापुर उच्च विद्यालय के मैदान और कांटी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जनसभा में उन्होंने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के उम्मीदवार अजय कुशवाहा, अजीत कुमार, राज कुमार राजू, मदन चौधरी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार रमा निषाद के समर्थन में जनता से वोट की अपील की। मुजफ्फरपुर की जनता से अपील करते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार में विकास का दौर रुकने नहीं देना है। विकास के काम को याद रखिए, अफवाहों में मत आइए। 24 नवम्बर 2005 को जब हमारी सरकार बनी थी, तब बिहार की हालत बेहद खराब थी। शाम होते ही लोग घरों से निकलने से डरते थे, समाज में तनाव था। हमने कानून-व्यवस्था सुधारी, सड़कों, बिजली और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार किया। आज बिहार विकास के रास्ते पर मजबूती से आगे बढ़ रहा है। जनसभा के दौरान एक रोचक पल भी देखने को मिला। जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भाजपा उम्मीदवार रमा निषाद को माला पहनाने के लिए हाथ बढ़ाया, तो पास खड़े राज्यसभा सदस्य संजय झा ने उनका हाथ पकड़ लिया। इस पर मुख्यमंत्री मुस्कुराते हुए बोले, ई गजब आदमी है भाई, हाथ काहे पकड़ते हो। उनके इस अंदाज पर मंच पर मौजूद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने तालियां बजाई। इसके बाद मुख्यमंत्री ने रमा निषाद को माला पहनाई। उल्लेखनीय है कि रमा निषाद, पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी हैं और इस बार औराई विधानसभा सीट से भाजपा की उम्मीदवार हैं।

भाजपा ने मौजूदा विधायक व पूर्व मंत्री रामसूरत राय की जगह रमा निषाद पर भरोसा जताया है। मीनापुर और कांटी में हुई इस सभा में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे। मंच पर राजग के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे।

मास्को की हठ से ट्रंप-पुतिन शिखर वार्ता पर संकट के

वॉशिंगटन/मास्को, (हि.स.)। यूक्रेन में तत्काल युद्धविराम (सीजफायर) पर रूस के इनकार के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच प्रस्तावित शिखर वार्ता पर अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे हैं। राजनयिक सूत्रों के अनुसार, दोनों देशों के शीर्ष अधिकारियों के बीच होने वाली तैयारी बैठक के स्थगित होने से वार्ता की संभावना कमजोर पड़ी है। ट्रंप ने हाल ही में पुतिन से फोन पर बातचीत की थी और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से भी मुलाकात की थी। उनका उद्देश्य आने वाले दो हफ्तों में हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में पुतिन के साथ बैठक कर युद्ध समाप्ति की दिशा में कदम बढ़ाना था। हालांकि, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच गुरुवार को बुडापेस्ट में होने वाली तैयारी बैठक को अचानक टाल दिया गया।

इसके चलते अब शिखर वार्ता पर संशय गहरा गया है। फिलहाल न तो अमेरिका और न ही रूस ने औपचारिक रूप से बैठक रद्द करने की घोषणा की है। फिर भी, संकेत यही हैं कि अगर मास्को अपनी कठोर शर्तों से पीछे नहीं हटता, तो ट्रंप प्रशासन वार्ता को टाल सकता है। हंगरी के विदेश मंत्री पीटर सिजियार्तो ने मंगलवार को वॉशिंगटन से फेसबुक पर लिखा, आने वाले कुछ दिन बेहद महत्वपूर्ण होने वाले हैं।' यूरोपीय राजनयिकों का कहना है कि रूस अब भी अपने कब्जे वाले क्षेत्रों से पीछे हटने को तैयार नहीं है। एक वरिष्ठ राजनयिक ने कहा, रूस अपनी मांगों पर अड़ा हुआ है, और जब यह साफ हो गया कि बुडापेस्ट में ट्रंप के लिए कोई समझौता संभव नहीं, तो अमेरिका ने फिलहाल कदम पीछे खींच लिया।'

फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति सरकोजी को जेल भेजा

पेरिस, (हि.स.)। लीबिया से अवैध चुनाव फंडिंग के मामले में सजायाफ्ता फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी पांच साल के कारावास की सजा काटने के लिए मंगलवार को पेरिस की एक जेल भेज दिये गये। 70 वर्षीय नेता मंगलवार सुबह पुलिस की गाड़ी से ला सांते जेल पहुंचे। वह जेल जाने वाले यूरोपीय संघ के किसी देश के पहले पूर्व प्रमुख बन गए हैं। सरकोजी को पिछले महीने आपराधिक षड्यंत्र का दोषी पाए जाने के बाद पांच साल की सजा सुनाई गई थी। यह सजा दिवंगत लीबियाई शासक मुअम्मर गद्दाफी से अपने 2007 के चुनाव अभियान के लिए लाखों यूरो की राशि अवैध रूप से स्वीकार करने के कारण मिली थी। हालांकि उन्होंने हमेशा इन आरोपों से इनकार किया है। उनके वकीलों ने बताया कि जैसे ही वह अपनी सजा शुरू करने के लिए जेल पहुंचे, उसके साथ ही उनकी रिहाई के लिए अदालत में तुरंत आवेदन कर दिया गया है। जेल जाने से पहले उन्होंने ₹एक्स₹ पर कहा, ₹मैं बदले और नफरत का शिकार हुआ हूं। मैं फ्रांसीसी लोगों को बताना

चाहता हूं कि आज सुबह गणतंत्र के किसी पूर्व राष्ट्रपति को नहीं, बल्कि एक निर्दोष व्यक्ति को जेल भेजा जा रहा है। सच्चाई की जीत होगी।' सुबह से ही दर्जनों समर्थक और परिवार के सदस्य सरकोजी के घर के बाहर खड़े थे, जिनमें से कुछ ने फ्रेमयुक्त तस्वीरें भी ली हुई थीं। उनके समर्थक ₹निकोलस को रिहा करो,₹ के नारे लगा रहे थे। उनके समर्थकों ने इसे फ्रांस और लोकतंत्र के लिए एक दुखद दिन करार दिया। जेल जाने के लिए रवाना होने से पहले, उन्होंने फ्रांसीसी राष्ट्रगान गाया। उनके पड़ोसी अपनी बालकनी से इस पूरे दृश्य को देख रहे थे। इससे पहले द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नाजी सहयोगी राष्ट्राध्यक्ष रहे फिलिप पेटेन को कारावास भेजा गया था। इसके बाद सरकोजी पहले फ्रांसीसी नेता हैं जिन्हें जेल में भेजा गया है। मीडिया रिपोर्टों में जेल अधिकारियों के हवाले से बताया कि उन्हें जेल के एकांत कारावास खंड में नौ वर्ग मीटर (95 वर्ग फुट) की कोठरी में रखा जाएगा ताकि वह वह अन्य कैदियों के संपर्क से बचे रहें और सुरक्षित रहें। एकांत कारावास में, कैदियों को दिन में एक बार अपनी कोठरी से बाहर निकलकर, एक छोटे से आंगन में अकेले टहलने की अनुमति होती है। सरकोजी को सप्ताह में तीन बार बाहरी व्यक्ति से मुलाकात की अनुमति होगी।वहां उनको 14 यूरो (16 डॉलर) के मासिक शुल्क पर एक टेलीविजन और एक लैंडलाइन टेलीफोन की सुविधा मिलेगी। इस बीच सरकोजी ने मीडिया को बताया कि वह जेल में तीन महत्वपूर्ण किताबें साथ ले जाएंगे, जिनमें उन्हीं की तरह आरोपों का शिकार हुये व्यक्तियों की कहानी है। सरकोजी को देश में 2007 के चुनावों के दौरान लीबियाई नेता मुअम्मर गद्दाफी से लाखों डॉलर की नकदी लेने के आरोप में पांच साल की कैद की सजा सुनाई गई है। वह 2007 से 2012 तक फ्रांस के राष्ट्रपति रहे हैं।

फ्रांस की अदालत में न्यायाधीश नथाली गवारिनो ने सजा सुनाते हुए कहा था कि अपराध ₹असाधारण गंभीरता₹ के हैं, और इसलिए उन्होंने सरकोजी को अपील दायर करने पर भी जेल भेजने का आदेश दिया। अदालत के पास उनके वकीलों द्वारा दायर रिहाई की अपील को जांच के लिए दो महीने का समय है। सरकोजी के वकीलों ने कहा है कि उन्होंने सरकोजी की जल्द रिहाई के लिए अपील दायर की है। उन्हें उम्मीद है कि इस अपील की लगभग एक महीने में सुनवाई की जाएगी और हो सकता है कि पूर्व राष्ट्रपति क्रिसमस तक रिहा हो पाएं।

देश से नक्सलवाद की समस्या अगले साल मार्च तक समाप्त हो जाएगी : राजनाथ

नई दिल्ली, (हि.स.)। लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स में आज ही के दिन चीनी सैनिकों के हमले में 10 बहादुर पुलिसकर्मियों की शहादत की याद में पुलिस स्मृति दिवस मनाया जा रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके बलिदानियों को याद किया। उन्होंने कहा कि सेना भारत की भौगोलिक अखंडता की रक्षा करती है, तो पुलिस भारत की सामाजिक अखंडता की रक्षा करती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि देश से नक्सलवाद की समस्या अगले साल मार्च तक समाप्त हो जाएगी। राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा के लिए पुलिस और अर्धसैनिक बलों को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए उन्होंने कहा कि आज पुलिस को न केवल अपराध से, बल्कि धारणा से भी लड़ना है। यह अच्छी बात है कि हमारी पुलिस अपने आधिकारिक कर्तव्य के साथ-साथ अपने नैतिक कर्तव्य का भी बखूबी निर्वहन कर रही है। आज देश के नागरिकों को विश्वास है कि

अगर कुछ गलत होता है, तो पुलिस उनके साथ खड़ी रहेगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस देश की सुरक्षा में अपने आप को समर्पित कर देने वाले हमारे पुलिस और सभी अर्धसैनिक बलों के जवानों के त्याग को याद करने का दिन है। राजनाथ सिंह ने कहा कि पुलिस व्यवस्था तभी प्रभावी रूप से काम कर सकती है, जब समाज के नागरिक पुलिस के सहयोगी के रूप में काम करते हैं और कानून का सम्मान करते हैं। जब समाज और पुलिस के बीच संबंध आपसी समझ और जिम्मेदारी पर आधारित होते हैं, तब समाज और पुलिस बल दोनों समृद्ध होते हैं। वर्तमान चुनौतियों पर राजनाथ सिंह ने कहा कि सीमाओं पर अस्थिरता के साथ ही समाज में नए प्रकार के अपराध, आतंकवाद और वैचारिक युद्ध उभर रहे हैं। अपराध अधिक संगठित, अदृश्य और जटिल हो गया है और इसका उद्देश्य समाज में अराजकता पैदा करना, विश्वास को कम करना और राष्ट्र की स्थिरता को चुनौती देना है। रक्षा मंत्री ने अपराध रोकने की अपनी आधिकारिक जिम्मेदारी निभाने के साथ-साथ समाज में विश्वास बनाए रखने के अपने नैतिक कर्तव्य को पूरा करने के लिए पुलिस की सराहना की। उन्होंने कहा कि अगर आज लोग चैन की नींद सो रहे हैं, तो इसका कारण हमारे सतर्क सशस्त्र बलों और सतर्क पुलिस पर उनका भरोसा है।